

भारत का अपवाह तंत्र

↓
Himalayan Drainage system
हिमालयन अपवाह तंत्र ✓
→ Ganga River system
→ Indus River system
→ Brahmaputra River system

↓
Damodar River system
दामोदर नदी तंत्र

↓
Peninsular
Drainage system
प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र

→ महानदी
→ गोदावरी
→ कृष्णा
→ कावेरी
→ नर्मदा नदी तंत्र

→ तापी नदी तंत्र

Himalayan River System

हिमालयन नदी तंत्र

नदी विसर्प
का निर्माण
River meandering

- ये नदियाँ नई नदियों के उदाहरण हैं। New Rivers
- ये नदियाँ अभी युवावस्था में हैं। Young Phase
- इन नदियों का वेग अधिक है। Velocity ↑
- सदावाहिनी/सदानीरानदी का उदाहरण है।
- तीव्र ढाल से प्रवाहित होती हैं। High slope
- गहरी घाटी का निर्माण करती हैं। Deeper and Narrow Valley
- जल प्रपात का निर्माण करती हैं। Water Fall
- अपरदन की दर ↑ (Rate of Erosion ↑)
- ये नदियाँ डेल्टा का निर्माण करती हैं। (Formation of Delta)

प्रायद्वीपीय
नदियाँ
Peninsular
River

→ पुराना नदियाँ Old Rivers

→ ये नदियाँ अपने वृद्धावस्था में हैं। Old Phase

→ नदियों का आयतन कम है। (Volume ↓)

→ ढाल अपेक्षाकृत कम है। Slope ↓

→ कई नदियाँ मौसमी हैं। Seasonal Rivers.

→ इन नदियों को दो भागों में वर्गीकरण

अरब सागर में गिरने वाली नदियाँ

→ नर्मदा
→ ताप्ती

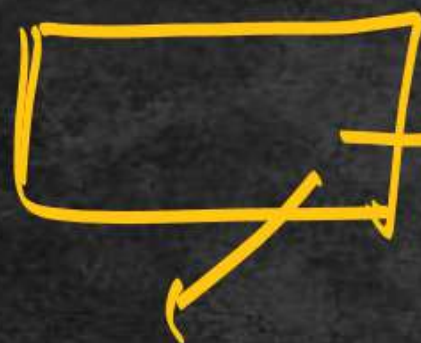
रेशपुरी का निर्माण

बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदी

→ महानदी → कृष्णा
→ कावेरी → गोदावरी

→ डेल्टा का निर्माण करती हैं

Earthquake
Swarms.



Local Region

एक ही क्षेत्र → कई स्थानों पर Seismic events
Events / भूकंपीय
घटनाएँ

अपवाह तंत्र (DRAINAGE SYSTEMS)

हिमालयन अपवाह तंत्र
Himalayan Drainage System

→ Indus River system
सिंधु नदी तंत्र
↓
सिंधु तथा इसकी प्रमुख
सहायक नदियां
Indus and its
Tributaries

L.M.S की सहायक नदी
बायें तट की सहायक नदी



R.M.S की सहायक नदी
दाहिनी तरफ की सहायक नदीयां

सिंधु नदी तंत्र

Indus River system.

- विश्व की सबसे बड़ी नदी द्रोणियों में से एक
- क्षेत्रफल - 11 लाख 65 हजार वर्ग किमी. (भारत में 3,21,289 वर्ग किमी.)
- विस्तार - तिब्बत, भारत एवं पाकिस्तान में
- तिब्बत में नाम - सिंगी खंबान अथवा शेर मुख
- मुख्य सहायक नदियाँ - झेलम, चेनाब, रावी, व्यास एवं सतलुज आदि



झेलम

सिंधु

पाकिस्तान

सिंधु नदी

सतलुज नदी

रावी नदी

चेनाब नदी

व्यास नदी

सिंधु नदी

चीन

सिंधु

स्रोत → तिब्बत का पठार

रावी

चेनाब

Indus सिंधु

- स्रोत → हिमालय का पठार
- निकास → अरब सागर
- प्रवाह → सामान्यतः उत्पत्ति के पश्चात् पूरव से पश्चिम की तरफ
- लद्दाख एवं जम्मू के बीच प्रवाहित होती है।
- नंगा पर्वत के पास नदी के द्वारा सिंधु गार्ज का निर्माण

→ प्रवाह क्षेत्र → हिमालय - भारत - पाकिस्तान

→ सहायक नदियाँ

L.H.S	→ पेनाब
	→ झेलम
	→ रावी
	→ घाघर

→ सतलुज

सिंधु नदी (Indus River)

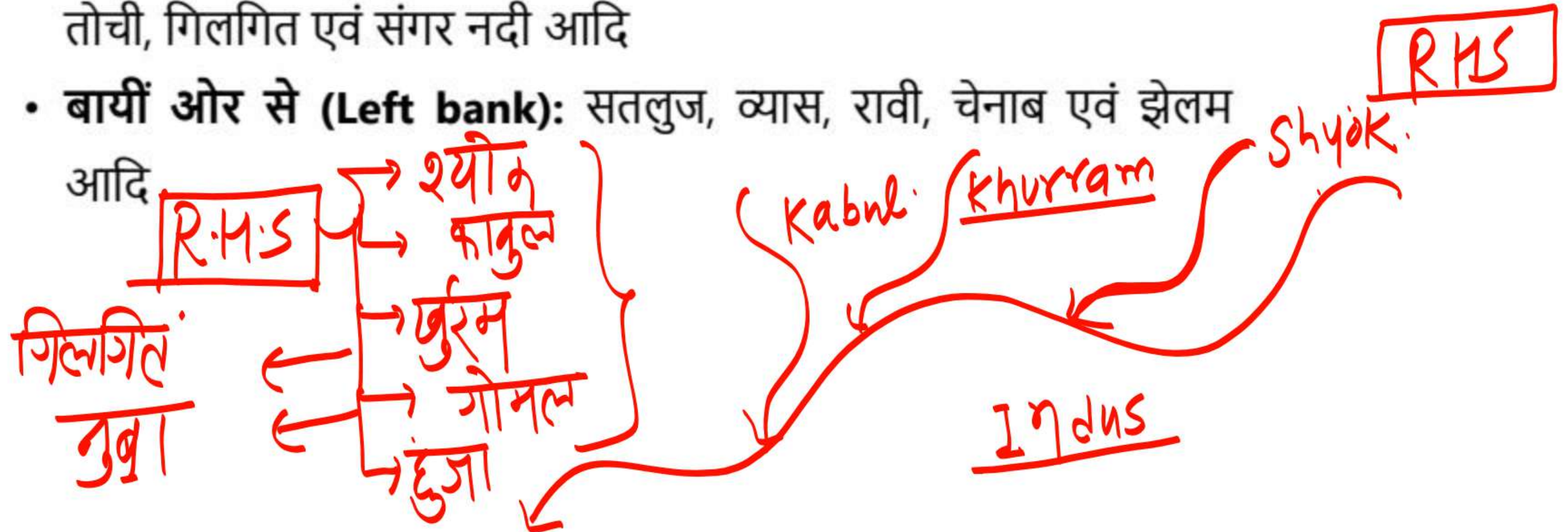
- **उद्गम:** तिब्बत के मानसरोवर झील से बोखर चू के निकट 'चेमायुंगडुंग' हिमनद
- **प्रवाह:** 2880 किमी. (भारत में लंबाई 1114 किमी.)
- **निकास:** दक्षिण-पश्चिम की ओर बहती हुई कराची के पूर्व में अरब सागर में



सिंधु नदी (Indus River)

सिंधु की सहायक नदियाँ:

- दायीं ओर से (Right bank): काबुल, कुर्रम, श्योक, गोमल, हुंजा, नुब्रा, तोची, गिलगित एवं संगर नदी आदि
- बायीं ओर से (Left bank): सतलुज, व्यास, रावी, चेनाब एवं झेलम आदि



सिंधु

अपवाह प्रतिरूप
Drainage Pattern

Dendritic
Drainage Pattern

वृक्षाकार अपवाह
प्रतिरूप

अपवाह तंत्र
Drainage
System

पूर्ववर्ती
अपवाह तंत्र

पुराने ढाल
का अनुसरण
करती हैं।



ਸਤਲੁਜ ਨਦੀ

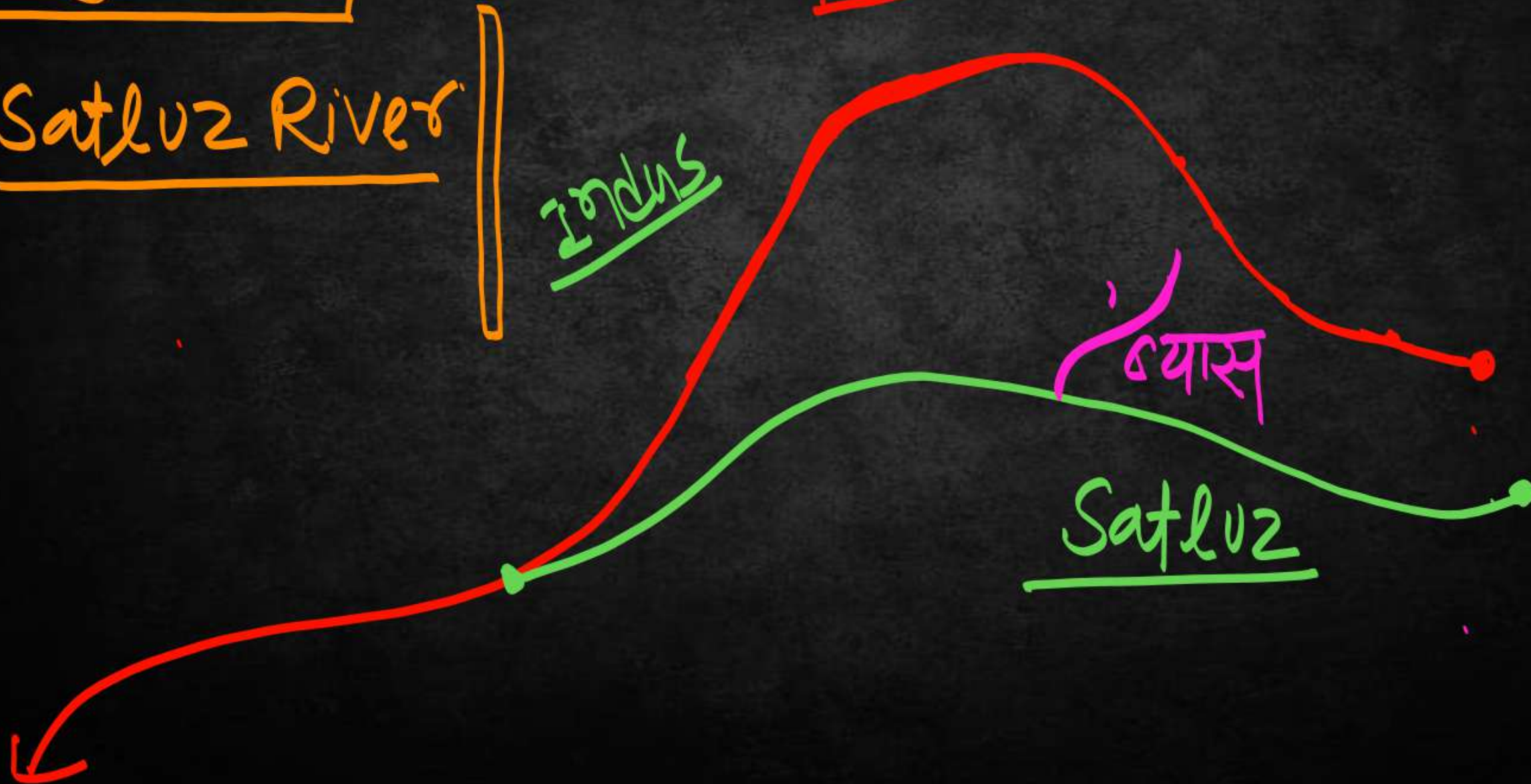
Satluj River

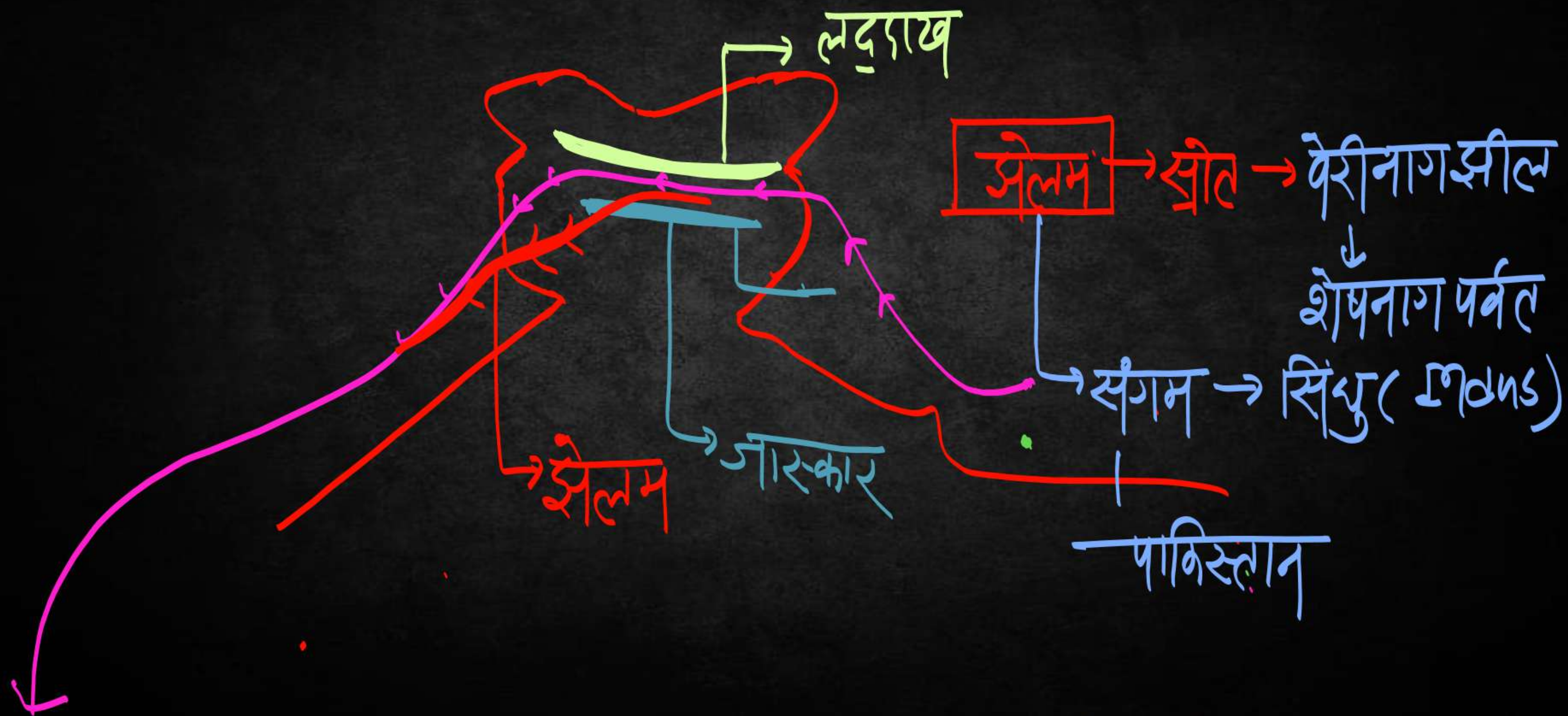
Indus

Indus

ਬਿਆਸ

Satluj





झेलम नदी (Jhelum River)

- उद्गम: वेरीनाग के निकट शेषनाग झील से
 - प्रवाह: वूलर झील एवं श्रीनगर, बारामुला के समीप पाकिस्तान में प्रवेश
 - संगम: चेनाब नदी
- सहायक नदियाँ
- किशनगंगा
 - बाँध: मंगला बाँध, उरी बाँध, किशनगंगा पनबिजली संयंत्र



बाँध

किशनगंगा परियोजना

किशनगंगा पनबिजली संयंत्र

उरी बाँध
मंगला बाँध

छोटे DAM

Aim

विद्युत का उत्पादन
Production of Electricity

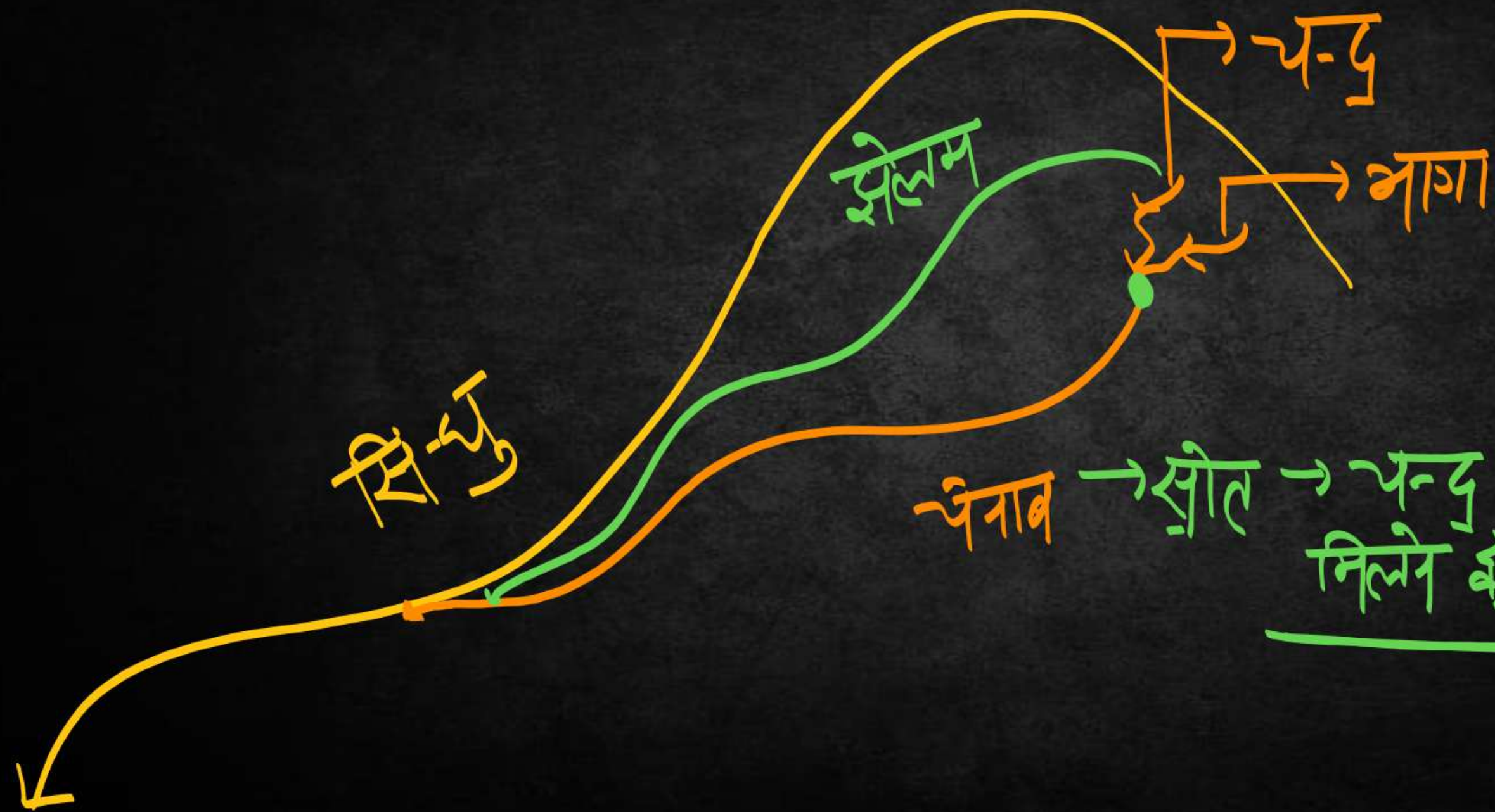
Reality

किशनगंगा चेनाब

भारत - पाकिस्तान

श्रीनगर, वूलर झील
बारामुला

के समीप
पाकिस्तान



चैनाब → स्रोत → चन्द्र एवं भागा नदियों के
मिलने के बाद चैनाब नदी

चेनाब नदी (Chenab River)

- उद्गम - बारालाचा-ला दर्रे के निकट चंद्र और भागा नदियों के संगम से
- प्रवाह - 1180 किमी. (सिंधु की सबसे बड़ी सहायक नदी)
- अन्य नाम - चंद्रभागा (हिमाचल प्रदेश)
- [REDACTED]
- सहायक नदियाँ - झेलम, रावी एवं तवी
- बाँध: सलाल बाँध, पाकल डल बाँध, रतले जल विद्युत संयंत्र एवं दुलहस्ती जल विद्युत संयंत्र



रतले जल विद्युत संयंत्र

→ बांध → सलाल बांध
→ रतले बांध
→ दुलहस्ती बांध → Electricity

दर्रा → बारालाचा

दर्रा
→ कै समीप

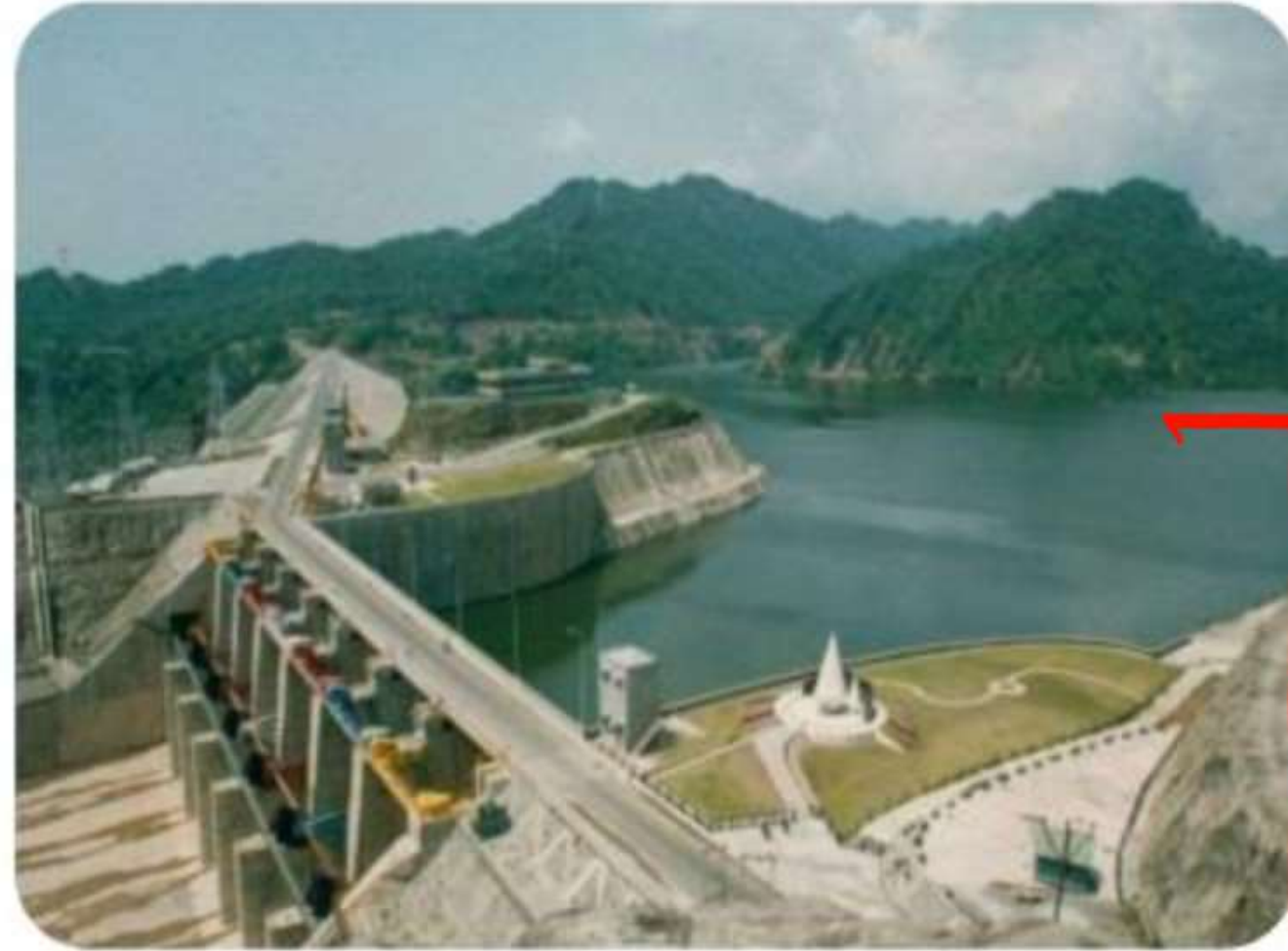
→ हिमाचल
→ चन्द्रभागा

→ सहायक नदी → झेलम
→ रावी

→ समानांतर उपनाल
→ प्रतिरूप

रावी नदी (Ravi River) → भारत में → हिमाचल प्रदेश

- उद्गम - कुल्लू पहाड़ियों में रोहतांग दर्रे के पश्चिम से
- प्रवाह - दक्षिण-पश्चिम में बहते हुए पठानकोट के निकट पंजाब में प्रवेश
- संगम - चेनाब नदी
- बाँध - रणजीत सागर बाँध, चमेरा बाँध



रणजीत सागर बाँध

पठानकोट के निकट
पंजाब में प्रवेश

उपवाह → समानांतर
प्रतिरूप

पेनाब नदी के
साथ संगम बनाती है

DAM

रणजीत सागर बांध
चमेरा बांध
Electricity

रावी नदी → स्रोत → कुल्लू की पहाड़ी
हिमाचल प्रदेश (अपवाह)

→ हिमाचल प्रदेश

कुल्लू की पहाड़ी

Kullu Hills

रावी



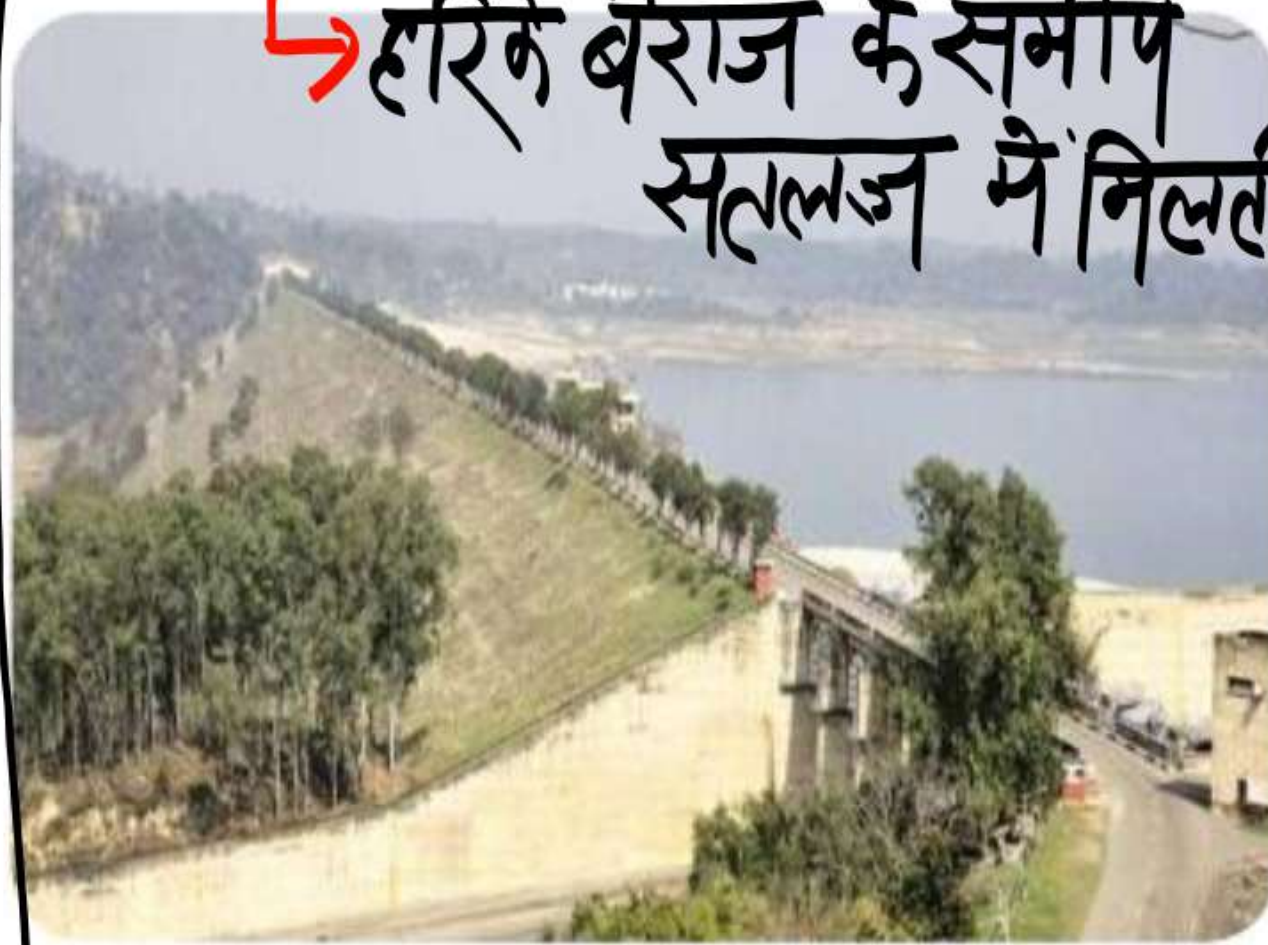
व्यास नदी → स्रोत → व्यास कुंड (Hamarchal) → रोहताग दर्रे के समीप
→ संगम → सतलुज



व्यास नदी (Beas River) → प्रवाह

- उद्गम - व्यास कुंड (रोहतांग दर्रे के निकट)
- प्रवाह - कुल्लू घाटी से गुजरते हुए धौलाधार श्रेणी में काती और लारगी में महाखड्ड का निर्माण
- संगम - हरिके के पास कपूरथला में सतलज में
- बाँध: पौंग बाँध, पंडोह बाँध

पंडोह बाँध



→ हरिके बेराज के समीप सतलज में मिलती है।

कुल्लू घाटी

से प्रवाहित होते

धौलाधार श्रेणी के पास गहरी घाटी का निर्माण

V-आकार की घाटी

→ महाखड्ड (केनिपन)

पौंग बाँध

→ electricity

बाँध

→ पौंग बाँध

→ पंडोह बाँध

सतलुज नदी (Satluj River)

चेनाब के साथ संगम बनाती है

- उद्गम - मानसरोवर झील के समीप स्थित राक्षस ताल से
- प्रवाह - शिपकीला दर्रे के पास हिमाचल प्रदेश में प्रवेश
- संगम - चेनाब नदी
- सहायक नदियाँ - व्यास और स्पीति
- बाँध: भाखड़ा-नांगल परियोजना

पाकिस्तान में जाकर



भाखड़ा - नांगल

स्रोत → भारत में उपस्थित नहीं है।

भारत में प्रवेश करती है

शिपकी दर्रा

हिमाचल प्रदेश

सिंधु नदी Indus के साथ

मिल जाती है।

Satluj

स्रोत

तिब्बत का पठार

मानसरोवर झील के समीप

